



Hargharpanditji

॥ नवरात्रि की पूजा-विधि ॥

जय माता दी!

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ नवरात्रि की पूजा-विधि ॥

नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा और उनके नौ स्वरूपों की श्रद्धापूर्वक पूजा की जाती है। नवरात्रि की शुरुआत कलश स्थापना (घटस्थापना) से होती है। भक्त व्रत, मंत्र-जाप, दुर्गा सप्तशती पाठ, आरती और कन्या पूजन के माध्यम से देवी की आराधना करते हैं।

1. पूजा स्थल की तैयारी

सुबह स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें। पूजा स्थान को साफ करके मां दुर्गा की प्रतिमा या तस्वीर स्थापित करें। पूजा स्थल पर चौकी रखकर उस पर स्वच्छ लाल या पीला वस्त्र बिछाएं।

2. कलश स्थापना

कलश में स्वच्छ जल भरें और उसमें अक्षत, सुपारी तथा सिक्का आदि रखें। कलश के मुख पर आम या अशोक के पत्ते लगाकर उसके ऊपर नारियल रखें। कलश को पूजा स्थल पर स्थापित करके मां दुर्गा का ध्यान करें।

कलश स्थापना को शुभता, समृद्धि और देवी शक्ति के आवाहन का प्रतीक माना जाता है।

3. मां दुर्गा का पूजन

मां दुर्गा को जल, पंचामृत, चंदन, अक्षत, लाल पुष्प और चुनरी अर्पित करें। देवी को उनकी पसंद के अनुसार फल एवं नैवेद्य अर्पित करें। इसके बाद धूप और दीप प्रज्वलित करें।

4. मंत्र-जाप और पाठ

पूजा के दौरान श्रद्धा के अनुसार इनका पाठ या जाप किया जा सकता है:

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे।

इसके अतिरिक्त दुर्गा चालीसा, दुर्गा सप्तशती, देवी कवच और नवदुर्गा स्तुति का पाठ भी किया जाता है।

5. नौ दिनों की विशेष पूजा

नवरात्रि के प्रत्येक दिन मां दुर्गा के एक स्वरूप की पूजा करें:

प्रथम दिन — मां शैलपुत्री

द्वितीय दिन — मां ब्रह्मचारिणी

तृतीय दिन — मां चंद्रघंटा

चतुर्थ दिन — मां कूष्मांडा

पंचम दिन — मां स्कंदमाता

षष्ठम दिन — मां कात्यायनी

सप्तम दिन — मां कालरात्रि

अष्टम दिन — मां महागौरी

नवम दिन — मां सिद्धिदात्री

6. आरती और भोग

पूजा के अंत में मां दुर्गा की आरती करें और सात्त्विक भोग अर्पित करें।

परिवार के सदस्यों के साथ प्रसाद ग्रहण करें।

7. अष्टमी या नवमी पर कन्या पूजन

अष्टमी या नवमी के दिन परंपरा के अनुसार कन्याओं का पूजन किया

जाता है। उनके चरण धोकर उन्हें भोजन कराया जाता है और श्रद्धा

अनुसार उपहार या दक्षिणा दी जाती है।